Trust deed

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

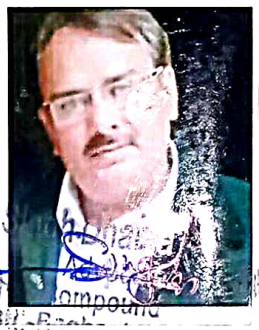
INDIA NON JUDICIAL

TREASURY OFFICER BAGHPAT
14 SEP 2018
NARESH KUMAR
CHIEF CASHIER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298801











Bhupendra Singh Dhama
Advocate
Ch.No.-11, Tehsil Compound
Khekra, Distt.-Baghpat



Bhupendra Singh Dhama
Advocate
Ch.No.-11, Tehsil Compound
Khekra, Distt.-Baghpat

ट्रस्ट नामा :

फोटो प्रमाणित कर्ता भूपेन्द्र सिंह धागा एडवोकेट खेकडा।
स्टाम्प अंकन 1000/—रू० का 10 किता व 5 सादे पेपर।

सर्वशक्तिमान परमपिता परमेश्वर की असीम अनुकम्पा, आर्शीवाद एवं जनकल्याण की भावना से प्रेरित होकर हम आज दिनांक 20/09/2018 में











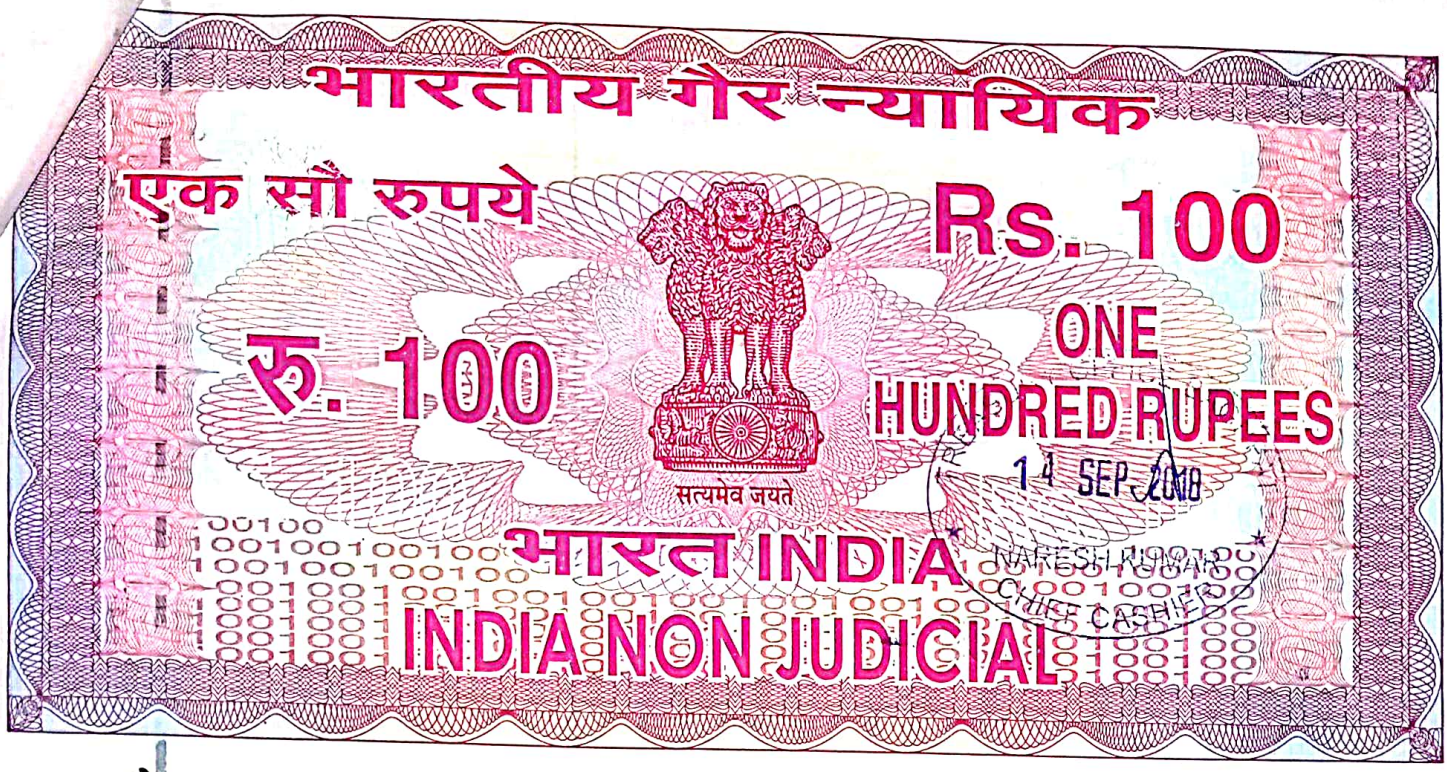


493

20-7-18

गोल्डन गेट एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा अध्यक्ष सुधीर कुमार

पुत्र रामसिंह निं० मकोलला तह० खेलड़ा



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298802

ट्रस्टियो के नामः–

श्री सुधीर कुमार पुत्र रामसिंह नि0 मवींकलॉ तहसील खेकडा जनपद बागपत।

संस्थापक/ अध्यक्ष ट्रस्टी

श्री कुवरपाल सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह निवासी ग्राम मवीकलां तहसील खेकडा जनपद बागपत।

सचिव ट्रस्टी

श्री विकास पुत्र रामसिंह निवासी मवींकलॉ बागपत जिला बागपत उत्तर प्रदेश।

कोषाध्यक्ष ट्रस्टी

श्रीमति रेखा सिंह पत्नी श्री कुवरपाल सिंह निवासी ग्राम मवीकलां तहसील खेकडा जनपद बागपत।

सदस्य ट्रस्टी

श्रीमती सुधा पत्नी श्री विकास निवासी ग्राम मवीकलां तहसील खेकडा जनपद बागपत।

सदस्य ट्रस्टी

श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री सुधीर कुमार निवासी ग्राम मवीकलां तहसील खेकडा जनपद बागपत।

सदस्य ट्रस्टी

https://igrsup.gov.in/ig

न्यास पत्र

५११

प्रतिफल - 21000 स्टाम्प शुल्क - 1000 बाजारी मूल्य - 0 पंजीकरण शुल्क - 420 प्रतिलिपिकरण शुल्क - 120 योग - 540

२०-९-१८

५१३

श्री सुनील कुमार
पुत्र श्री [illegible]
व्यवसाय : व्यापारी
निवासी : गढी कलां तह खेकड़ा जिला बागपत





ने पेश लिपि इस कार्यालय में दिनाँक 24/09/2018 एवं 03:45:19 PM बजे निबंधन हेतु प्रस्तुत किया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

सुरेन्द्र कुमार त्यागी प्र0
उप निबंधक :खेकड़ा
बागपत
24/09/2018

संजीत कुमार भटनागर
कनिष्ठ सहायक (निबंधन) - नियमित

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

14 SEP 2018

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

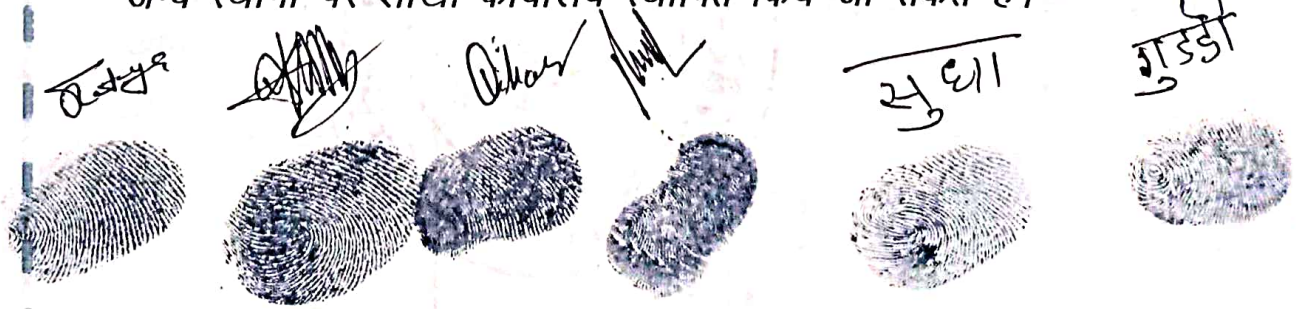
EC 298803

इस ट्रस्ट की घोषणा करता हूँ इस ट्रस्ट के स्थायी कोष मे अंकन 21000/—रू० नकद ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सुपुर्द करता हूँ। इस ट्रस्ट में किसी व्यक्ति विषेश का वर्चश्व नही होगा अर्थात यह ट्रस्ट Non Proprietary Character का होगा तथा इस ट्रस्ट के निष्पादन की घोषणा करते है। उपरोक्त सभी ट्रस्टियो ने सहर्ष ट्रस्टी बनाना स्वीकार किया तथा ट्रस्ट फण्ड की उपरोक्त धनराशि प्राप्त की जो कि भविष्य मे ट्रस्ट की स्थायी सम्पत्ति मानी जायेगी। जो निम्नानूसार है।:—

ट्रस्ट का नामः— गोल्डन गेट एजूकेशनल ट्रस्ट।

ट्रस्ट का कार्यालयः— ग्राम रावण उर्फ बडागांव तहसील खेकडा जनपद बागपत।

ट्रस्ट का कार्य क्षेत्रः— ट्रस्ट का कार्य क्षेत्र समस्त भारत वर्ष रहेगा एवं वर्तमान मे इसका प्रमुख कार्यालय ग्राम रावण उर्फ बडागांव तहसील खकडा जिला बागपत (उ०प्र०) रहेगा जो कि भविष्य मे। ट्रस्टियो की सहमति के अनुसार अन्य स्थान पर स्थानातरित किया जा सकेगा एवं अन्य स्थानो पर शाखा कार्यालय स्थापित किये जा सकते है।



श्री विजय कुमार आर्य , पुत्र श्री अतर सिंह





निवासी: मवीकलां तह खेकडा

व्यवसाय: ~~कृषि~~ 1-18

पहचानकर्ता : 2

श्री देवेन्द्र कुमार , पुत्र श्री चरण सिंह





निवासी: मवीकलां तह खेकडा जिला बागपत

व्यवसाय: व्यापार

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

ने की । प्रत्यक्षत:भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिए गए है ।

टिप्पणी :

सुरेन्द्र कुमार त्यागी प्र0
उप निबंधक : खेकड़ा
बागपत

संजीत कुमार भटनागर
कनिष्ठ सहायक (निबंधन) - नियमित

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

TREASURY 14 SEP 2018 NARESH KUMAR CHIEF CASHIER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298804

ट्रस्ट का उद्देश्य :–

1. *यू०जी०सी० एवं अन्य स्वायत्त संस्थाओ, सरकारी एवं गैर सरकारी शैक्षिक अधिकरणो से विषिष्ट शैक्षिक केन्द्र प्राप्त करना एवं विभिन्न परियोजना हेतु अनुदान प्राप्त करना।*
2. *वैदिक धर्म रक्षार्थ, वैदिक धर्म का प्रचार, प्रसार करना व वेद शास्त्रो तथा धार्मिक धर्म ग्रंथो का प्रचार–प्रसार करना, वैदिक धर्म के विभिन्न संस्कारो का सामुहिक आयोजन करना।*
3. *समाज मे व्याप्त बुराइयो (कन्या भ्रुण हत्या, दहेज मांसाहार व नशा आदि) को समूल नष्ट करने हेतू प्रचार व प्रसार करना, व दहेज रहित विवाह संस्कार कराना व प्रमाण पत्र देकर उनको उत्साहवर्धन हेतु सम्मानित करना।*
4. *समाज के वर्गो, धर्मो की एकता हेतु सदभावना पूर्ण वातावरण तैयार करना, चरित्र निर्माण व संस्कृति व राष्ट्रीय एकता हेतु शिविर आयोजन करना।*



http://gras.gsdp.gov.in/ig...

५९ निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमुन व प्राप्त धनराशि रु प्रलेखानुसार उक्त

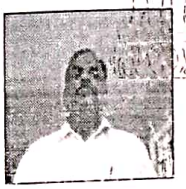
न्यासी: 1 20-9-18

श्री सुधीर कुमार, पुत्र श्री राम सिंह

निवासी: मवीकलां तह खेकडा जिला बागपत

व्यवसाय: व्यापार

न्यासी 2: 1

श्री कुवरपाल सिंह, पुत्र श्री पूरन सिंह

निवासी: मवीकलां तह खेकडा जिला बागपत

व्यवसाय: नौकरी

न्यासी 2: 2

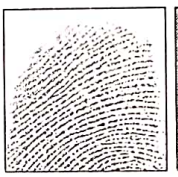



श्री विकास, पुत्र श्री रामसिंह

निवासी: मवीकलां तह खेकडा जिला बागपत

व्यवसाय: व्यापार

न्यासी 2: 3




श्रीमती रेखा, पत्नी श्री कुवरपाल सिंह

निवासी: मवीकलां तह खेकडा जिला बागपत

व्यवसाय: शिक्षक

न्यासी 2: 4




श्रीमती सुधा, पत्नी श्री विकास

निवासी: मवीकलां तह खेकडा जिला बागपत

व्यवसाय: गृहिणी

न्यासी 2: 5




श्रीमती गुडडी, पत्नी श्री सुधीर कुमार

निवासी: मवीकलां तह खेकडा जिला बागपत

व्यवसाय: गृहिणी




ने निष्पादन स्वीकार किया। जिनकी पहचान

पहचानकर्ता : 1

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

TREASURY OFFICER 14 SEP 2018

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298805

5. युवा शक्ति व मातृ शक्ति को सही दिशा व शिक्षा प्रदान कर धार्मिक संस्कारवान व रचनात्मक कार्यो मे उनकी रुचि उत्पन्न कर उनको राष्ट्रीय भावना व विकास हेतु प्रेरित करना

6. आश्रम, अनाथालय, महिलाश्रम, औषधालय, धर्मशाला, यज्ञशाला, गौशाला, वृद्धाश्रम आदि का निर्माण, विकास व संचालन करना।

7. निर्धन, अनाथ व अन्य विद्यार्थियो की शिक्षा हेतु तकनीकी, गैर तकनीकी, व धार्मिक शिखा हेतु शैक्षणिक संस्थाऐ स्थापित करना व संचालन करना।

8. इस ट्रस्ट के समान उद्देश्यो वाली संस्थाये, ट्रस्ट, समितियो आदि से आर्थिक सहायता व अन्य प्रकार का सहयोग प्राप्त करना व प्रदान करना।

9. प्राकृतिक आपदाओ से पीडित लोगो की सहायता करना।

10. ट्रस्ट हेतु समय–2 पर चल व अचल सम्पत्ति को दान द्वारा प्राप्त करना, निर्माण, पुर्ननिर्माण; जीर्णोधार करना जो ट्रस्ट के हित मे हो तथा उद्देश्यों प्राप्ति मे सहायक हो।

सुधा गुड्डी

https://igrsup.gov.in/igrs

श्री विजय कुमार आर्य , पुत्र श्री अतर सिंह





निवासी: मवीकलां तह खेकडा

20-9-18 Vijay

व्यवसाय: कृषि

पहचानकर्ता : 193

श्री देवेन्द्र कुमार , पुत्र श्री चरण सिंह





निवासी: मवीकलां तह खेकडा जिला बागपत

व्यवसाय: व्यापार

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

ने की । प्रत्यक्षत:भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिए गए है ।

टिप्पणी :

सुरेन्द्र कुमार त्यागी प्र0
उप निबंधक : खेकड़ा
बागपत

संजीत कुमार भटनागर
कनिष्ठ सहायक (निबंधन) - नियमित

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

14 SEP 2018

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298806

11. मूक प्राणियो, पशु, पक्षियो को अभयदान, आहारदान, तथा अन्य प्रकार से इन प्राणियो की रक्षार्थ कार्य करनां

12. वैदिक धर्म के प्रचार–प्रसार हेतु प्रर्वचन, व्याख्यान, धार्मिक पुस्तके, प्रतिकाओ का प्रकाशन व कैसिट, सी०डी० निर्माण कराना।

13. वैश्विक स्तर पर शैक्षिक आदान प्रदान करना तथा देश व विदेश के राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयो से शैक्षिक स्तर पर आदान प्रदान स्थापित करना।

14. ईश्वर भक्ति द्वारा ज्ञान की ज्योति जागृत कर अंधकार दूर कर जन कल्याण हेतु मानव हृदय मे समता, करूणा व स्नेह का संचार करनां

15. उक्त ट्रस्ट की स्थापना बिना किसी लाभ के उद्देश्य से की गई यानि उक्त ट्रस्ट की स्थापना समाज के हित व कल्याण के लिये की गई है।

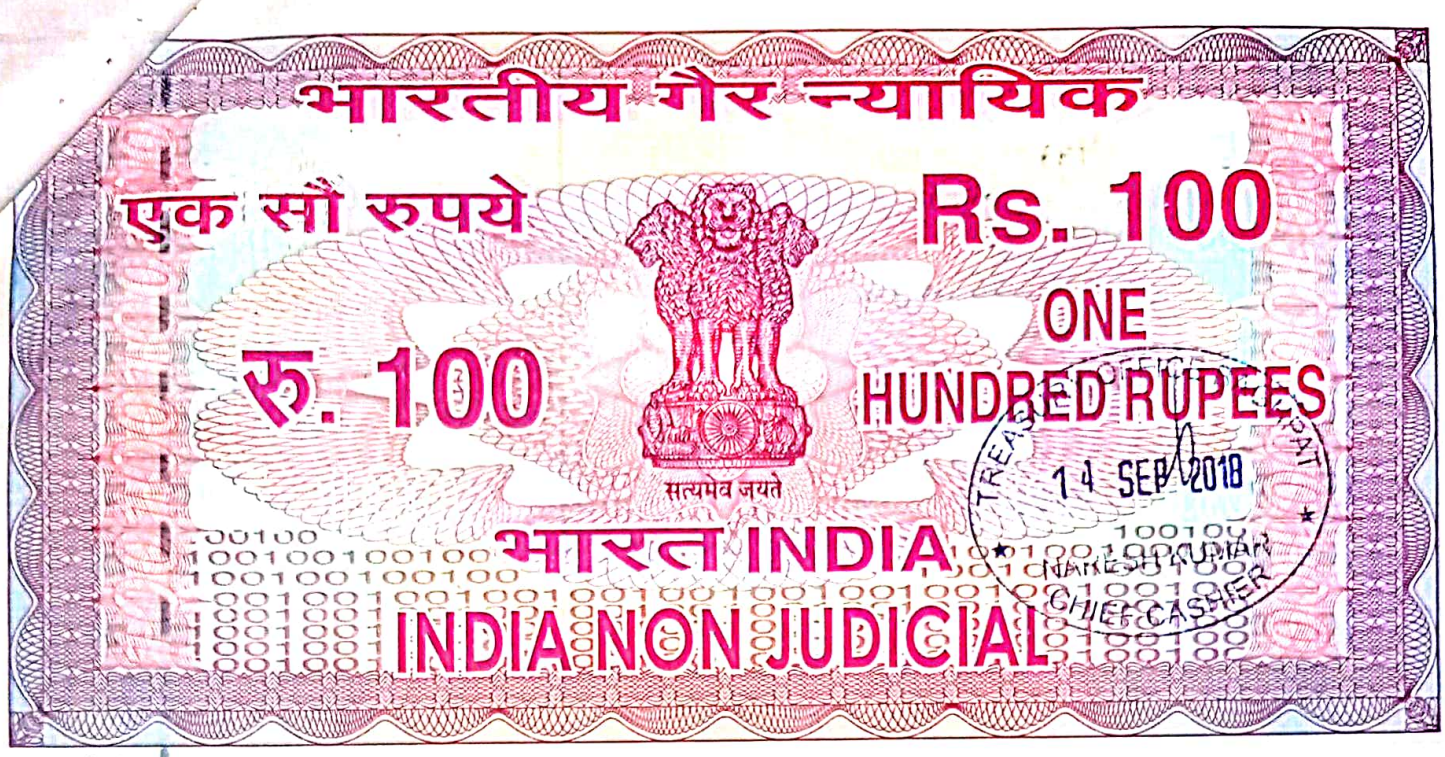
16. अस्पताल औषधालय अनुसंधानशालाओ एवं रसायन शालाओ का संचालन एवं स्थापना करना।

498

20-9-18

1002





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298807

17. प्राकृतिक पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने हेतू कार्य करना, शहरो मे पेड लगाना जिससे प्रदुषण कम हो, खाली पडी भुमि पर वृक्षारोपण करना ताकि पर्यावरण स्वच्छ रहे। और आय के साधन बढे और अवैध कब्जे भी ना हो पाये।

18. निरीह प्राणियो, पशु, पक्षियो की चिकित्सा का प्रबन्ध करना एवं उनके चिकित्सालयो की स्थापना व व्यवस्था करना।

19. स्कूल व कालेज मे छात्र, छात्राओ को प्रर्यावरण के लिए जागृत करने हेतू कार्यक्रम चलाना।

20. कृषि भूमि तथा अन्य जमीन जायदाद खरीदना व प्राप्त करना उन्हे क्रय, विक्रय करना स्थानांन्तरण करना तथा कृषि भूमि पर कृषि कार्य करना।

21. समस्त मानव कल्याण के लिए कार्य करना।

22. ट्रस्ट के उद्देश्यो की पूर्ति के लिए भवन निर्माण करना तथा अन्य निर्माण कार्य आदि करना।



499

अन्य विक्रय की तिथि 20-9-18

ग्राम ग्राम पंचायत का संक्षिप्त

ग्राम सीमा का मानचित्र पृष्ठ 20-493

ग्राम की जनसंख्या 1002

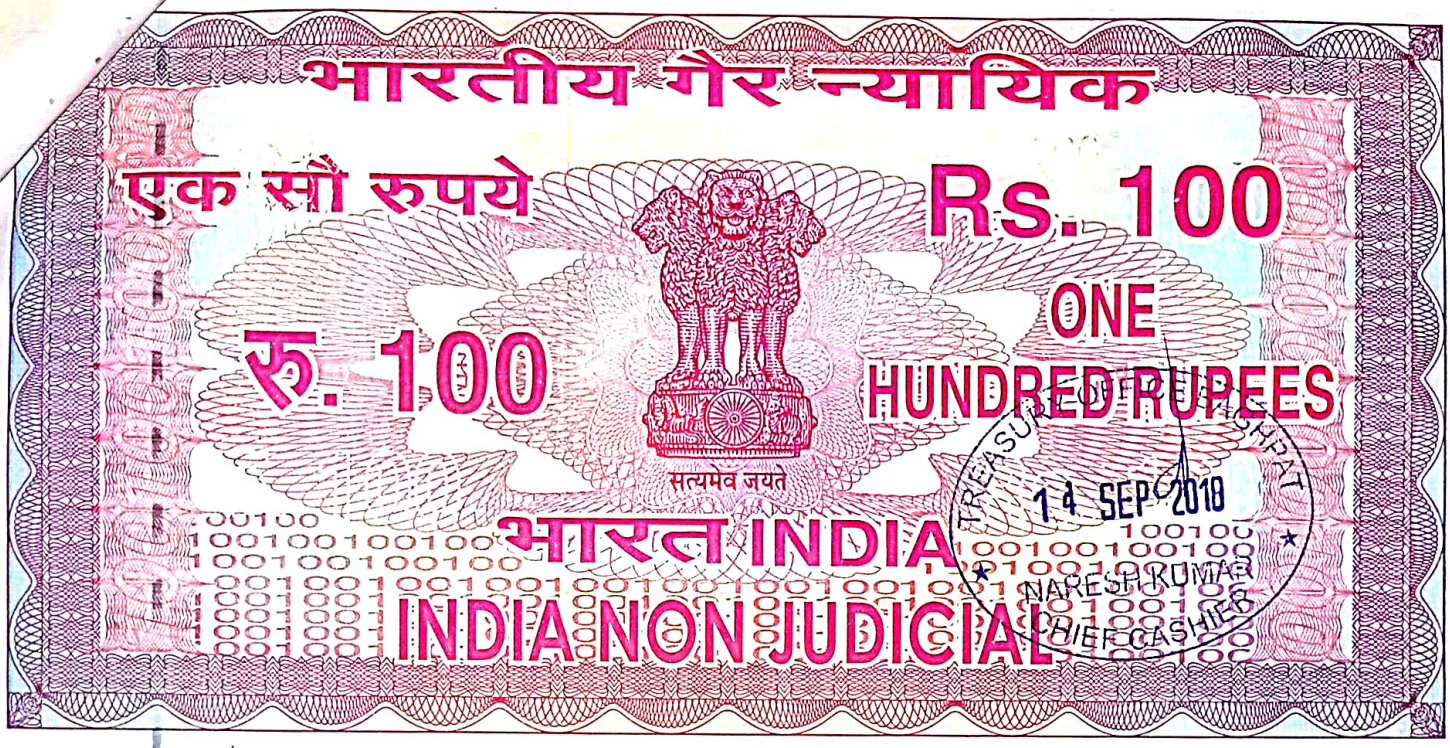
प्रतिलिपि तुलसी रजिस्ट्रार कार्यालय

बही० प०-21/बागपत/वि० 4

जिल्द का क्रमांक 01-09-2019

सहायक रजिस्ट्रार





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298808

23. ट्रस्ट की आय बढाने के उद्देश्य से सभी प्रकार के कार्य व प्रयत्न करना

24. वह सभी कार्य करना जो समस्त मानव जाति के लिए कल्याणकारी हो

बोर्ड ऑफ ट्रस्टिज का गठन एवं नियमनः–

1. ट्रस्टियो की अधिकतम संख्याः बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के कुल ट्रस्टियो की अधिकतम संख्या केवल बीस होगी उक्त ट्रस्टियो मे सभी 6 ट्रस्टी रहेंगे ये सभी 6 आजीवन तक ट्रस्ट के ट्रस्टी होंगे।

2. साधारण ट्रस्टीयों की नियुक्तिः सभी साधारण ट्रस्टीयों की नियुक्ति समय–2 पर सभी 6 ट्रस्टीयों की सहमति से हो सकेगी।

3. ट्रस्टी बनने की योग्यताः इस ट्रस्ट के उद्देश्यो के प्रति श्रद्धा तथा विश्वास रखने वाला, समर्पित सेवा भावी व्यक्ति पुरुष अथवा महिला, ट्रस्ट का ट्रस्टी बनाया जा सकेगा, किन्तु उसकी आयु कम से कम 18 वर्ष होना आवश्यक है।

सुधा

गुड्डी



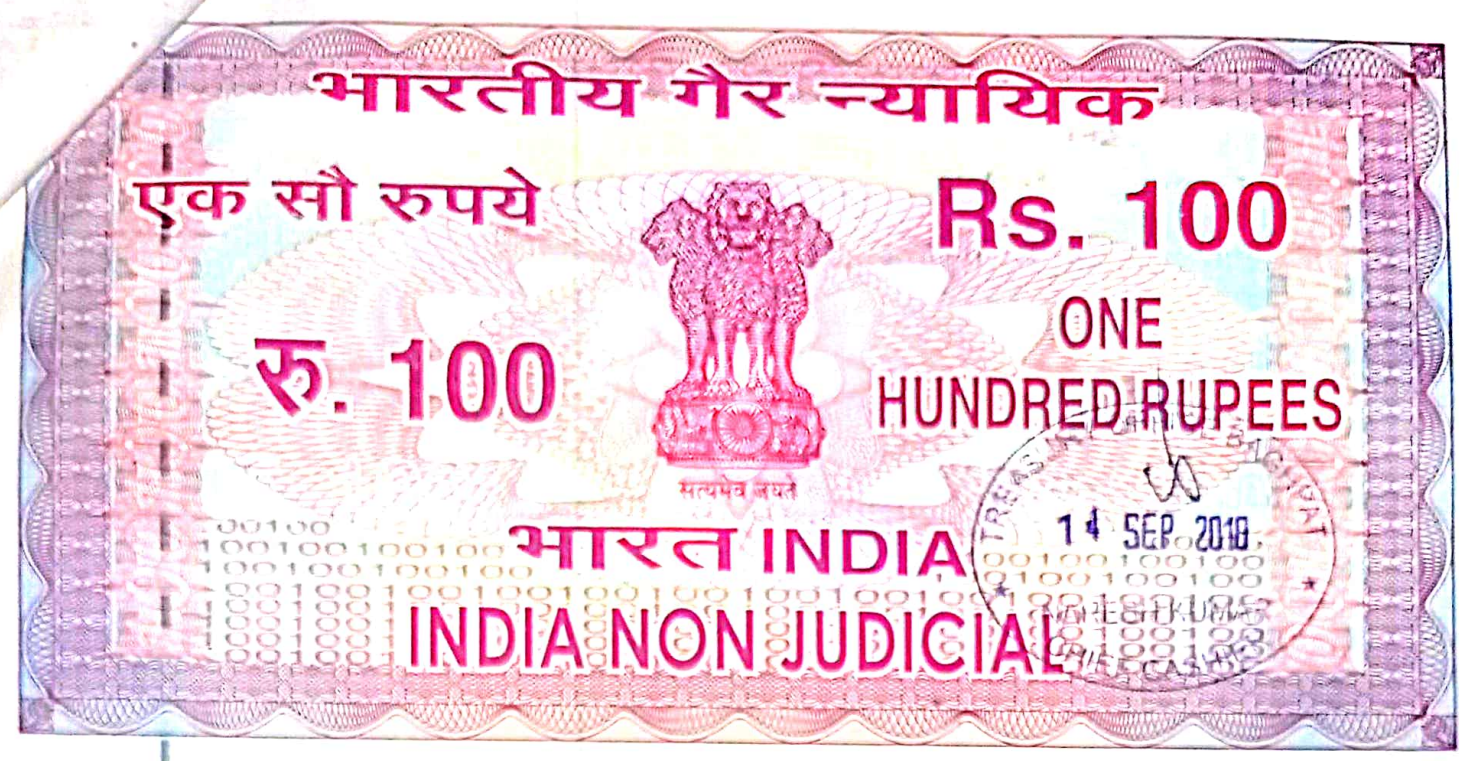
500

20-9-18

493

1/02

सत्यमेव जयते



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298809

4. नामांकनः 6 ट्रस्टी अपने जीवनकाल मे ही अपना उत्तराधिकारी नामांकित कर सकेंगे। यदि वे ऐसा करने मे असमर्थ रहे तो आजीवन ट्रस्टी के पुत्र उसका उत्तराधिकारी माना जायेगा। यदि वह किन्ही परिस्थितियो मे संभव न हो सका तो उक्त पद पर उस समय के ट्रस्टियो एवं संस्थापक संरक्षक द्वारा सर्वानुमति से निर्णय होकर रिक्त पद पर ट्रस्टी की नियुक्ति की जायेगी। यदि सर्वानुमति न हो पाये तो संस्थापक संरक्षक का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा, किन्तु उस व्यक्ति मे ट्रस्टी बनने की योग्यता होनी आवश्यक है।

ट्रस्टियो के अधिकार एवं कर्तव्य :–

1. ट्रस्ट के उपार्जित चल एवं अचल सम्पत्तियां ट्रस्ट के नाम रहेगी, किन्तु उपरोक्त सम्पत्तियो को बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज को ट्रस्ट हित मे उपयोग करने, विक्रय करने खरीदने हस्तान्तरित करने किराये पर देने अथवा लेने का अधिकार रहेगा।

सुधा गुड्डी

501

ग्राम विक्रय की तिथि 20-9-18

ग्राम कम करने का प्रतिशत —

ग्राम शेष का लगभग मूल्य 9m 493 रु०

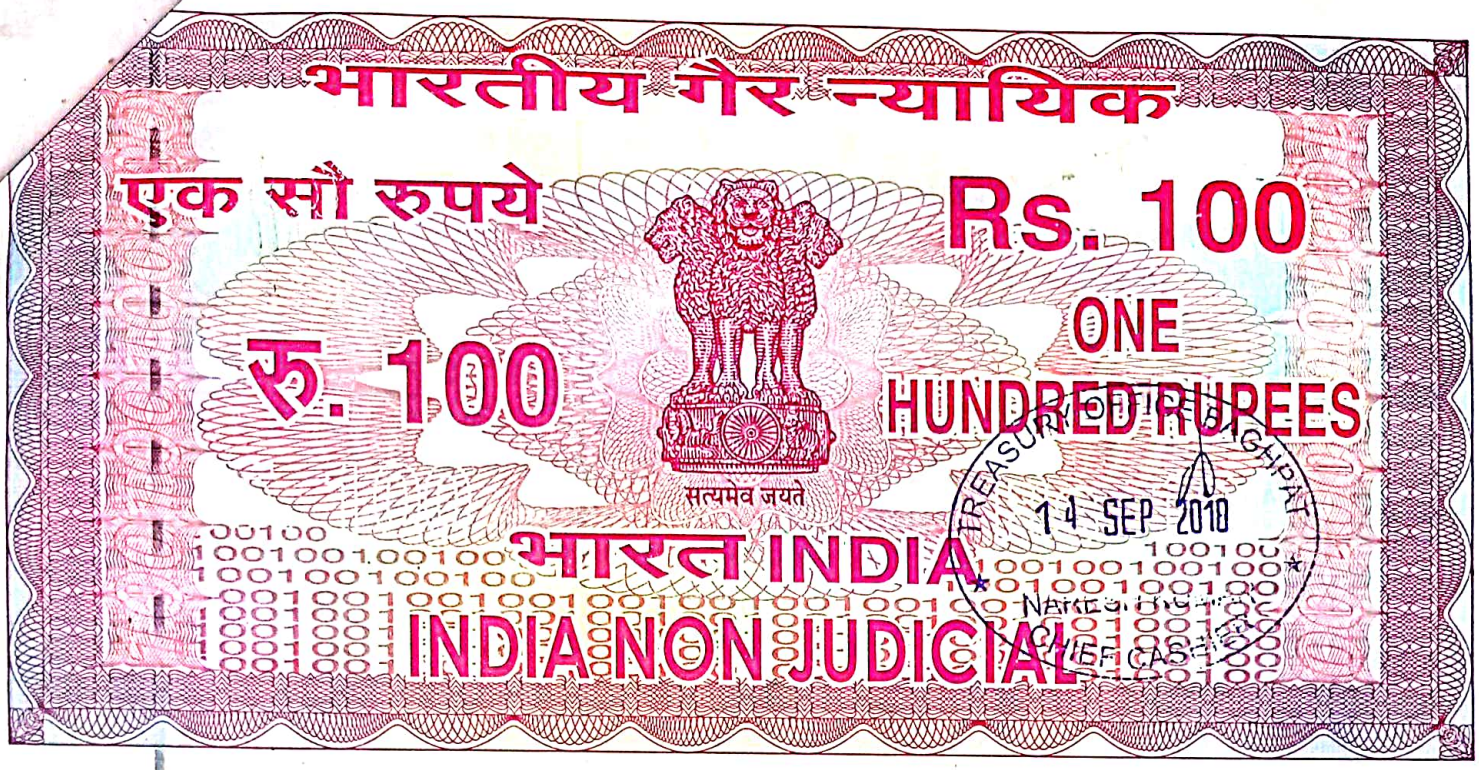
ग्राम की जनसंख्या 1002

क्षेत्रीय सुपरवाइजर, [illegible]

ज्ञा० प०-21/बिलासपुर/सं० 4

ज्ञा० की तारीख 21-09-2018

[illegible]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EC 298810

2. बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज को अधिकार होगा। कि वे ट्रस्ट के हित में विभिन्न व्यक्तियों, सरकारी, अर्द्धसरकारी, निजी संस्थाओं से नगद, अथवा वस्तुओ के रूप में अथव चल–अचल सम्पत्ति के रूप में अथवा अन्य प्रकार के स्वेच्छिक दान, ग्रान्ट सहायता, अपदान आदि प्राप्त कर सकेंगे। एवं उपरोक्तानुसार प्राप्त राशि को ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतू व्यय या उपयोग सकेगें।

3. बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज को ऐसे समस्त कार्य करने की स्वंतन्त्रता रहेगी, जिससे ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति सम्भव हो। जिसमें ट्रस्ट की आय को बढ़ाने के लिए समस्त वैधानिक प्रयास करना जिसमें व्यावसाय भी शामिल है।

4. बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की विभिन्न पूंजियों चल एवं अचल सम्पत्ति एंव नगदी का विनियोजन निम्नलिखित संस्थाओं में करने का अधिकार रहेगा।



502

स्टाम्प विक्रय की तिथि ______ 20-9-18

[illegible] ______

[illegible] ______ 493 [illegible]

[illegible] ______

100

[illegible]

[illegible] कुमार [illegible]

[illegible] नं०-21/[illegible]/[illegible] 4

[illegible] 31-03-2019

[illegible]

1. राष्ट्रीयकृत बैंको (सरकारी/सहकारी बैंक)
2. सरकारी प्रतिभूतियों
3. यूनिट ट्रस्ट
4. सार्वजनिक कम्पनियों के अंशों में या सावधि जमा के रूप में।
5. म्यूचुअल फंड की योजनाओं मे।
6. तथा ऐसी अन्य प्रतिभूतियों में कर सकेंगे जो कि आयकर अधिनियम के प्रावधानों के तहत अनुमोदित है।
7. डाकघर ।

5. बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ट्रस्ट के कार्यो के लिए किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सरकारी, अर्द्धसरकारी विभागो/संस्थाओं से ट्रस्ट की और से अनुबंध हस्ताक्षर कर निष्पादित करने, प्रलेखों पर हस्ताक्षर करने, आलेख तैयार करने के लिए अधिकृत होगें, किन्तु ऐसे ट्रस्टीयों के नाम ट्रस्ट की बैठक में तय किये जायेगें कि कौन ट्रस्टी किस कार्य के अधिकृत रहेगा।

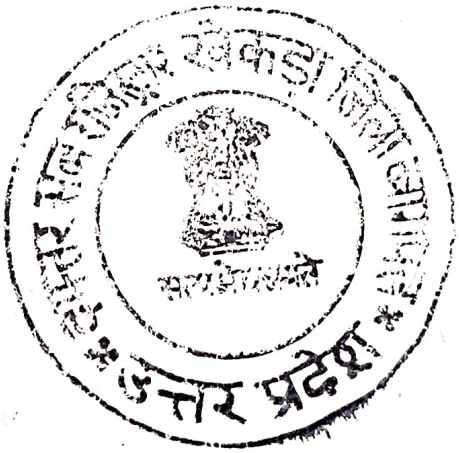
6. बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के उद्देश्यो की पूर्ति हेतू तथा ट्रस्ट की प्रबन्ध व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने हेतू अन्य पदाधिकारियों प्रभारी आदि की नियुक्ति करने, समिति, उपसमिति का गठन करने एवं ट्रस्ट की घोषणा पत्र के अनुरूप समय–समय पर नियम, विनियम तथा उपनियम बना सकेगें। ताकि इस ट्रस्ट का प्रबन्ध और प्रशासन सुचारू रूप से संचालित हो सकेगें।

7. बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज यदि चाहे तो ट्रस्ट के कार्यो के लिए वैतनिक या अवैतनिक विभिन्न कर्मचारियों जैसे सचिव, सहायक, टंकक, लिपिक, रौकडियां लेखाकर, निरीक्षक, सफाई, कर्मचारियों, प्रभारी, सेवक, इत्यादि की नियुक्ति करने उनके भत्ते एवं उनके अधिकार कर्तव्य एवं दायित्व निर्धारित करने तथा उन्हें पदमुक्त करने, निर्धारित करने आदि के लिए अधिकृत होगें।

8. बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यक्तियों बैंक, वित्तीय, संस्थाओं साख समितियों से ब्याज पर अथवा बिना ब्याज के ऋण ले सकेंगे। एवं प्रतिभूति बतौर ट्रस्ट की किसी भी अचल सम्पत्ति को गिरवी भी रख सकेगें।

सुधा गुडेरी




उत्तर प्रदेश

9. भविष्य में ट्रस्ट द्वारा स्थापित संस्थाओं एवं समितियों हेतु ट्रस्टीगण समय–2 पर प्रबन्ध समिति का गठन कर सकेगे तथा इन संस्थाओं एवं समितियों का संचालन ट्रस्ट समिति के निर्देशानुसार होगा एवं ट्रस्ट समिति प्रबन्ध समितियों का पुनर्गठन अधिकतम 6 माह में करना आवश्यक होगा तथा जब तक प्रबन्ध समिति/समितियों का पुनर्गठन नही हो जाता है। तब तक उसका संचालन ट्रस्ट समिति के द्वारा किया जायेगा।

10. प्रथम ट्रस्टी तथा उनके उत्तराधिकारी ट्रस्ट के लिए किये गये कार्यो हेतु किसी प्रकार का पारिश्रमिक प्राप्त करने के अधिकारी नही रहेंगे तथा उन्हें ट्रस्ट के कार्य जाने वाले विभिन्न कार्यो में कोई व्यय उनके पास से होगा तो वे उसका भुगतान ट्रस्ट से प्राप्त करने के अधिकारी होगे।

1. अध्यक्ष ट्रस्टी जब तक कि लिखित में त्याग पत्र न दे आजीवन इस ट्रस्ट के प्रबन्ध ट्रस्टी तथा अध्यक्ष बने रहेंगे। प्रबन्ध ट्रस्टी को ट्रस्ट की दैनिक गतिविधयों के संचालन के सभी प्रबन्धकीय एवं प्रशासकीय अधिकार रहेंगे तथा विशेष रूप से ट्रस्ट के बैंक खाते के परिचालन के सम्बन्ध में तथा ट्रस्ट के लिए ऋणों की व्यवस्था करने के सम्बन्ध में प्रबन्धक ट्रस्टी को विशेष अधिकार रहेगे।

2. ट्रस्ट की समस्त चल–अचल सम्पत्तियों का दैनिक प्रबन्ध नियोजन, नियंत्रण प्रशासन, प्रबन्ध ट्रस्टी अपने विवेक से कर सकेगा। तथा साथ ही ट्रस्ट द्वारा संचालित समस्त संस्थाओं एवं समितियों पर नियंत्रण कर सकेगा।

3. प्रबन्ध ट्रस्टी का पद यदि किसी कारण से रिक्त होगा तो प्रबन्ध ट्रस्ट के परिवार के किसी सदस्य को प्रबन्ध ट्रस्टी बनाया जा सकेगा।

4. मैनेजिंग ट्रस्टी को जब भी बोर्ड ऑ।फ ट्रस्टीज समिति की बैठक बुलाने की आवश्यकता महसूस होगी। वह बैठक बुला सकेगा।

11. यह कि ट्रस्टीगण समय–समय पर सामाजिक, धार्मिक व परमार्थिक कार्यो के प्रबन्ध एवं संचालन हेतु अपने विवेक के अनुसार प्रबन्ध समिति जिसमें वह स्वयं या उनके से एक या अधिक ट्रस्टी तथा अन्य व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को नियुक्त करने से एक या अधिक ट्रस्टी तथा अन्य व्यक्ति व्यक्तियों को नियुक्त करने का अधिकार होगा एवं ट्रस्टीगण ऐसी प्रबन्धक समिति तथा उसके कार्यकाल नियम आदि बनाने का तथा ऐसी प्रबन्धक समिति को सम्बन्धित कार्यो के संचालन व पूर्ति के लिए जो





अधिकार ट्रस्टीगण उचित समझे प्रदान करने की शक्ति होगी। साधारणतः ट्रस्ट के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उपसचिव व कोषाध्यक्ष भी उक्त प्रबन्ध समितियों के क्रमशः अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उपसचिव व कोषाध्यक्ष होगे।

12. यह कि ट्रस्टीगण को ट्रस्ट तथा उसके उद्देश्यों से सम्बन्धित कार्य हेतु किसी भी एजेन्ट जिसमें बैंक भी शामिल है को नियुक्त करने तथा उसे धनराशि अदा करने तथा ट्रस्टीगण में निहित शक्तियों का प्रयोग का पूर्ण अधिकार होगा।

13. यह कि ट्रस्टीगण ट्रस्ट के नाम से चालू खाता, सावधी जमा खाता, बचत खाता, ओवर ड्राफट खाता व सभी प्रकार के बैंकिग खाते किसी भी संस्था जो कि बैंकिग व्यवसाय करती हो में खोल सकते है, परन्तु उक्त सभी बैंकिग खातो का संचालन तीन पदाधिकारियों के संचालन से होगा जिसमे अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं सचिव होगें।

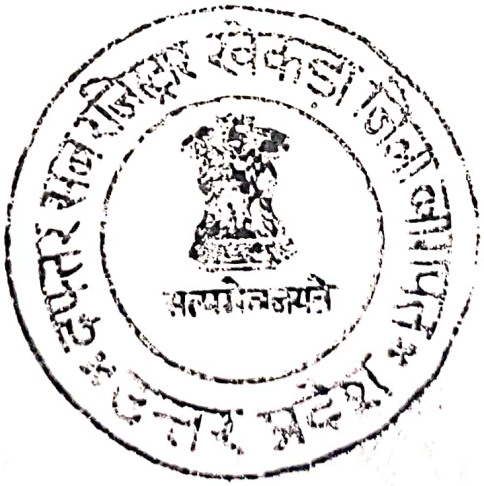
14. यह कि अध्यक्ष एवं सचिव को ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समय–2 पर ट्रस्ट की सम्पत्ति को गिरवी रखकर उधार/ऋण लोन का पूर्ण अधिकार होगा। अध्यक्ष एवं सचिव को ट्रस्ट की सम्पत्ति को बन्धक कर ट्रस्ट के उद्देश्यो के लिए उधार/ऋण बैंक गारन्टी लोन का पूर्ण अधिकार होगा तथा ट्रस्ट के लाभ के लिए ट्रस्ट की सम्पत्तियों को विक्रय करने का अधिकार भी होगा। इन सभी कार्यो को करने का अधिकार अध्यक्ष एवं सचिव को होगा।

ट्रस्ट का लेखा जोखाः– ट्रस्ट की आय, व्यय, प्राप्ति, भुगतान, सम्पत्तियों, निधियों आदि के हिसाब, किताब के लिये विभिन्न लेखा, पुस्तके, रसीद बाउचर्स, रोकड़, खाता, बही, नकल, अचल सम्पत्ति, रजिस्टर एवं रजिस्टर रखे जायेगें तथा उपरोक्त लेखा पुस्तकों का ट्रस्टीयों द्वारा अधिकृत किसी अंकेक्षक से प्रतिवर्ष अंकेक्षक कराया जायेगा। प्रतिवर्ष का लाभ हानि स्थिति विवरण पत्रक ट्रस्टीयों के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

ट्रस्ट का वित्त वर्ष :– ट्रस्ट का वित्त वर्ष 31 मार्च को समाप्त माना जायेगा।

ट्रस्टीयों की सभा एवं कोरम :– ट्रस्ट के विभिन्न मुद्दों पर विचार करने हेतु ट्रस्टीगण समय–2 पर बैठक का आयोजन करेंगे तथा उसमें लिये गये निर्णयों के आधार पर इन्हें क्रियान्वित करेंगे। उपरोक्त कार्यो को वे विभिन्न ट्रस्टीयों को परिपत्रों के रूप में भेजकर निष्पादित कर सकेंगे।

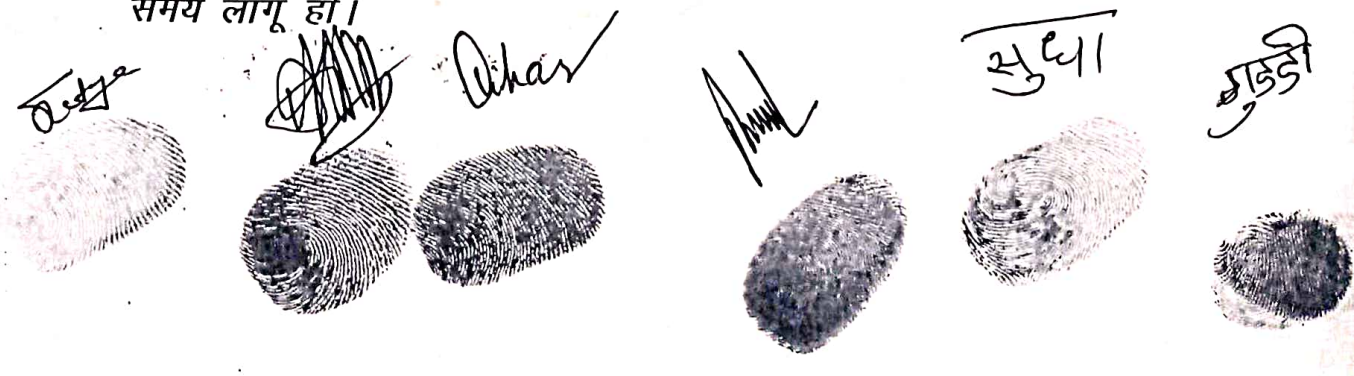




किन्तु ट्रस्टीयों की वर्ष में कम से कम 2 बार बैठक होना अनिवार्य रहेगी तथा ट्रस्टीयों की बैठक में सभी आठ ट्रस्टीयों के उपस्थित होने पर ही सभा का कोरम पूरा माना जायेगा अन्यथा सभा स्थागित करनी होगी।

सामान्य बाते :–

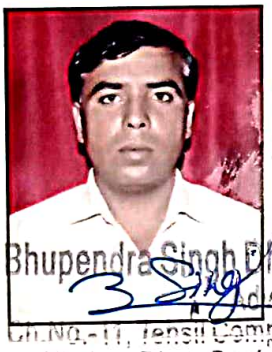
1. ट्रस्ट की समस्त गतिविधियों के लिए प्रबन्ध तथा प्रशासन सम्बन्धी अधिकार बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज में निहित होगें।
2. संदेह दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि उक्त ट्रस्ट की स्थापना किसी व्यक्ति, समाज, समुदाय, विशेष के लिए न होकर सभी जाति, धर्म, संप्रदायों तथा तर्गो के व्यक्तियों के हितो के लिए की गयी है।
3. ट्रस्ट की बैठक की कार्यवाही का एक रजिस्टर रखा जायेगा, जिसमे विभिन्न बैठको में लिये गये निर्णयों को लिपिबद्ध किया जायेगा तथा उस पर उस सभा के अध्यक्ष के हस्ताक्षर होंगे तथा ट्रस्ट की सभी कार्यवाही एवं व्यवहार का संचालन ट्रस्ट के नाम से ही किया जायेगा।
4. किसी भी मुद्दे पर किसी व्यक्ति, संस्था संगठन वगैरह से विवाद होने अथवा विवादित कार्य अथवा अनिर्णय की स्थिति में ट्रस्टीगण पंच/ निर्णय हेतु पंचों का चयन कर सकेंगे।
5. इस ट्रस्ट डीड में या ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बनाये गये विभिन्न नियमों या उपनियमों में परिवर्तन या परिवर्धन आवश्यक हुआ तो बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक में सभी की सहमति से आवश्यक परिवर्तन, संशोधन, परिवर्धन किया जा सकेगा।
6. ट्रस्ट के इस घोषणा पत्र में यदि कोई वात स्पष्ट नही है या लिखने में छूट गयी हो तो उसका निर्णय उत्तर प्रदेश पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम 1951 अथवा इस समय प्रचलित कानून के अनुसार किया जायेगा।
7. ट्रस्ट की बैठक में सभी निर्णय सभी की सहमति से लिये जायेंगे।
8. इस ट्रस्ट की चल अथवा अचल सम्पत्ति का उपयोग कोई भी ट्रस्टी अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए नही कर सकेगा। ऐसा होने की दशा में अन्य ट्रस्टी बहुमत के अधार पर तथा संरक्षक उसको ट्रस्टी के पद से हटा सकेंगे।
9. ट्रस्टीगण इस ट्रस्ट को दान देने वालो के हितार्थ समय–2 पर ट्रस्ट के लिये आयकर अधिनियम मे ऐसी छूट प्राप्त कर सकेंगे जो इस समय लागू हो।




सत्यमेव जयते
उत्तर प्रदेश

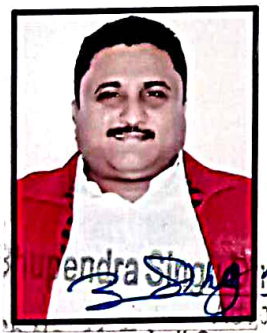
10. यह ट्रस्ट अखण्डनीय है।
अतः तदानुसार आज श्री परमपिता परमेश्वर के आशीर्वाद से दिनांक 20/09/2018 को इस ट्रस्ट की घोषणा सभी आठ ट्रस्टीयो के उपस्थिति में सोच–समझकर अपनी स्वेच्छा एव परिणामो की जानकारी से इस ट्रस्ट को सर्वउपयोगी एव उज्जवल भविष्य प्रदान करने के उद्देश्य से हस्ताक्षर कर निष्पादित किया।
मसविदा एवं फोटो प्रमाणितः भूपेन्द्र सिंह धामा एडवोकेट खेकडा।

हस्ताक्षर सभी ट्रस्टी :



Bhupendra Singh Dhama
Advocate
Ch.No.-11, Tehsil Compound
Khekra, Distt.-Baghpat

साक्षी नं0 1 विजय कुमार आर्य पुत्र श्री अतर सिंह निवासी ग्राम मवीकलां तहसील खेकडा जनपद बागपत।



Bhupendra Singh Dhama
Advocate
Ch.No.-11, Tehsil Compound
Khekra, Distt.-Baghpat

साक्षी नं0 2 देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री चरण सिंह निवासी ग्राम मवीकलां तहसील खेकडा जनपद बागपत।



Bhupendra Singh Dhama
Advocate
Ch.No.-11, Tehsil Compound
Khekra, Distt.-Baghpat

बही संख्या 1 जिल्द संख्या 15 के पृष्ठ 379 से 424 तक क्रमांक 33 पर दिनाँक 24/09/2018 को रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

सुरेन्द्र कुमार त्यागी प्र0
उप निबंधक खेकड़ा
बागपत
24/09/2018

